दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार, 01 मई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 212

पीएम ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित भी किया। इस अवसर पर भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन. वी. रमना, उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति यू.यू. ललित, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे देश में जहां एक ओर जुडिशरी की भूमिका संविधान संरक्षक की है, वहीं लेजिस्लेचर नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। मुझे विश्वास है कि संविधान की इन दो धाराओं का ये संगम, ये संतुलन देश में प्रभावी और समयबद्ध न्याय व्यवस्था का रोडमैप तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि आजादी के इन 75 सालों ने जुडिशरी और एग्जीक्यूटिव, दोनों के ही रोल्स और रिस्पांसिबिलिटीज को निरंतर स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि जहां जब भी जरूरी हुआ, देश को दिशा देने के लिए ये रिलेशन लगातार इवॉल्व हुआ है। सम्मेलन को संविधान की सुंदरता की जीवंत अभिव्यक्ति बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि वे बहुत लंबे समय से सम्मेलन में आते रहे हैं, पहले मुख्यमंत्री के रूप में और अब प्रधानमंत्री के रूप में। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, एक तरह से मैं इस सम्मेलन की दृष्टि से काफी वरिष्ठ हूं।'

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 2047 में जब देश अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब हम देश में कैसी न्याय व्यवस्था देखना चाहेंगे? हम किस तरह अपने जुडिशल सिस्टम को इतना समर्थ बनाएं कि वो 2047 के भारत की आकांक्षाओं को पूरा कर सके, उन पर खरा उतर सके, ये प्रश्न आज हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। उन्होंने कहा, अमृत काल में हमारी दृष्टि एक ऐसी न्यायिक व्यवस्था की होनी चाहिए, जिसमें आसान न्याय, त्वरित न्याय और सभी के लिए न्याय हो।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार न्याय प्रदान करने में देरी को कम करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है तथा न्यायिक ताकत बढ़ाने एवं न्यायिक बुनियादी ढांचे में सुधार के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि केस प्रबंधन के लिए आईसीटी को लागू किया गया है और न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर रिक्तियों को भरने के प्रयास जारी हैं।

प्रधानमंत्री ने न्यायिक कार्य के संदर्भ में शासन में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के अपने दृष्टिकोण को दोहराते हुए कहा कि भारत सरकार भी जुडिशल सिस्टम में टेक्नोलॉजी की संभावनाओं को डिजिटल इंडिया मिशन का एक जरूरी हिस्सा मानती है। उन्होंने मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से इसे आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि उदाहरण के तौर पर, ई-कोर्ट प्रोजेक्ट को आज मिशन मोड में इंप्लीमेंट किया जा रहा है। उन्होंने छोटे शहरों और यहां तक कि गांवों में भी डिजिटल ट्रांजैक्शन की सफलता का उदाहरण देते हुए कहा कि आज छोटे कस्बों और यहां तक कि गांवों में भी डिजिटल ट्रांजैक्शन आम बात होने लगी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरे विश्व में पिछले साल जितने डिजिटल ट्रांजैक्शन हुए, उसमें से 40 प्रतिशत डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में हुए हैं। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के विषय पर चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि आजकल कई देशों में लॉ यूनिवर्सिटीज में ब्लॉकचेन, इलेक्ट्रॉनिक डिस्कवरी, साइबर सिक्योरिटी, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बायोएथिक्स जैसे विषय पढ़ाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे देश में भी लीगल एजुकेशन इन इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के मुताबिक हो, ये हमारी जिम्मेदारी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कोर्ट में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। इससे देश के सामान्य नागरिकों का न्याय प्रणाली में भरोसा बढ़ेगा, वो उससे जुड़ा हुआ महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे लोगों का न्यायिक प्रक्रिया का अधिकार मजबूत होगा। उन्होंने यह भी कहा कि तकनीकी शिक्षा में भी स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कानूनों की पेंचीदगियों और अप्रासंगिकता के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि एक गंभीर विषय आम आदमी के लिए कानून की पेंचीदगियों का भी है। 2015 में सरकार ने करीब 1800 ऐसे कानूनों को चिन्हित किया था जो अप्रासंगिक हो चुके थे। इनमें से जो केंद्र के कानून थे, ऐसे 1450 कानूनों को हमने खत्म किया। यह बताते हुए कि राज्यों की तरफ से केवल 75 कानून ही खत्म किए गए हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, मैं सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह करूंगा कि उनके राज्य के नागरिकों के अधिकारों और उनके जीवन की आसानी के लिए, निश्चित रूप से इस दिशा में कदम उठाए जाने चाहिए।

महत्वपूर्ण एवं खास

सीबीआई ने रिश्वत लेने के लिए दो जीएसटी अधिकारियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित रिश्वत मामले में महाराष्ट्र के जयसिंहपुर में तैनात केंद्रीय जीएसटी के एक अधीक्षक और एक निरीक्षक को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने यह सूचना दी। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने बताया कि 28 अप्रैल को एक शिकायत पर अधीक्षक महेश नेसारीकर और निरीक्षक अमित कुमार मिश्रा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। सीबीआई ने कहा कि अधीक्षक ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता से उसके कर सलाहकार के माध्यम से 2017-18 से 2020-21 के लिए उसकी सेवा कर देयता से संबंधित मामले को निपटाने के लिए 75,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। दोनों आरोपी शिकायतकर्ता और उसके कर सलाहकार के साथ कथित रिश्वत की राशि पर बातचीत कर 50,000 रुपये पर राजी हुए। सीबीआई ने जाल बिछाया और निरीक्षक को उस समय पकड़ लिया, जब वह शिकायतकर्ता से कथित तौर पर 50,000 रुपये की रिश्वत पाने की उम्मीद कर रहा था। बाद में अधीक्षक को भी पकड़ लिया गया। जयसिंहपुर और कोल्हापुर में दोनों आरोपियों के परिसरों की तलाशी ली गई, जिसमें आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। दोनों आरोपियों को जयसिंहपुर की अदालत में पेश किया गया।

महाराष्ट्र में कोरोना के 148 नए मामले आए सामने

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 148 नए मामले सामने आए हैं और दो लोगों की मौत हुई है। इसके बाद राज्य में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढक़र 78,77,577 हो गयी है, जबकि मृतकों का आंकड़ा बढक़र 1,47,842 हो गया। इस दौरान 128 लोगों को ठीक होने के बाद विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। राज्य में अब तक 77,28,756 लोग इस महामारी को मात दे चुके हैं। राज्य की रिकवरी दर घटकर 98.11 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.87 प्रतिशत हो गई। इस समय राज्य में कोरोना के 979 सक्रिय मामले हैं।

यश बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने की कार्रवाई, मुंबई-पुणे में 8 जगहों पर छापेमारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने यस बैंक धोखाधड़ी मामले में शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने मुंबई और पुणे में इस मामले से संबंद्ध संदिग्ध लोगों के 8 ठिकानों और कार्यालयों पर छापेमारी की। इस छापेमारी के दौरान यहां से कई दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं। गौरतलब है कि हाल ही में सीबीआई ने इस मामले से जुड़े बिल्डर संजय छाबडिय़ा को भी गिरफ्तार किया था। जानकारी के मुताबिक, सीबीआई की अलग-अलग टीमों ने ये कार्रवाई की है। जहां एक ओर पुणे में बिल्डर विनोद गोयनका के ठिकानों पर छापा मारा गया है, तो वहीं दूसरी ओर मुंबई में केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने शाहिद बलवा और अविनाश भोसले के आवास और कार्यालयों पर तलाशी अभियान चलाया है। गौरतलब है कि सीबीआई ने बीते गुरुवार को यस बैंक के संस्थापक राणा कपूर और दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में मुंबई के रियल्टी उद्यमी संजय छाबडिय़ा को गिरफ्तार किया था। रेडियस डेवलपर्स के छाबडिय़ा को शुक्रवार को विशेष अदालत में पेश किया गया। सीबीआई ने 2020 में डीएचएफएल ने कपूर और कपिल वधावन के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कपूर ने डीएचएफएल को वित्तीय सहायता देने के लिए वधावन के साथ एक आपराधिक साजिश को अंजाम दिया था।

जहरीली शराब पीने से 6 लोगों की हुई मौत

पटना (आरएनएस)। बिहार के सारण जिले के तरैया थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों के छह लोगों की जहरीली शराब पीने से मौत हो गई, उनके परिवार के सदस्यों ने शुक्रवार को यह दावा किया। पुलिस को अभी जवाब देना बाकी है। मौतें गुरुवार शाम को हुई थीं और मृतकों के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी शुक्रवार की सुबह आए और उन्हें अपने बयान बदलकर यह कहने के लिए मजबूर किया कि उनकी मौत कटहल की सब्जी और चावल खाने के कारण हुई।

झुलसाने वाली गर्मी? तोड़ा 122 साल पुराना रिकार्ड, तापमान 47 डिग्री से पार

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में गर्मी ने 122 साल पुराना रिकार्ड तोड़ दिया है। देशभर में पड़ रही गर्मी के कारण लोग घरों में बैठने के लिए मजबूर है तो वहीं बिजली के कट ने लोगों की नींद उड़ा दी है। दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में लोग भीषण लू से जूझ रहे हैं।

इस बीच मौसम विभाग के डायरेक्टर डॉ. एम महापात्रा ने देश में मौसम को लेकर जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि इस साल अप्रैल में उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में औसत अधिकतम तापमान पिछले 122 साल में क्रमश: 35.90 डिग्री सेल्सियस और 37.78 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे अधिक है। देश के कई राज्यों, शहरों में तापमान 47 डिग्री से उपर जा चुका है। वहीं उन्होंने यह भी जानकारी दी है कि पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों और उत्तर-पूर्व भारत के उत्तरी हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है।

मई में सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान- मौसम विभाग ने बारिश को लेकर भी अनुमान जताया है। आईएमडी का कहना है कि मई में उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों के साथ-साथ सुदूर दक्षिण-पूर्वी प्रायद्वीप में बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है। इन इलाकों को छोडक़र भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

नगालैंड में भाजपा गठबंधन की लगी लॉटरी, नगा पीपुल्स फ्रंट के 21 विधायकों का एनडीपीपी में हुआ विलय

कोहिमा (आरएनएस)। नगालैंड में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के 21 विधायकों का नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) में विलय हो गया। एनडीपीपी के प्रवक्ता मेरेंतोशी जमीर ने शुक्रवार को कोहिमा में कहा, मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और उनकी सरकार के नेतृत्व को मजबूत करने के लिए एनपीएफ के 21 विधायकों का आज दोपहर एनडीपीपी पार्टी के अधिकारियों के साथ विलय हो गया है। उनके साथ पूर्व राज्यसभा सांसद केजी केने भी पार्टी में शामिल हो गए।

उन्होंने कहा कि विधायकों का विलय सरकार और नेतृत्व को मजबूत करेगा। जमीर ने कहा, हम उन सभी 21 का स्वागत करते हैं और निकट भविष्य में अन्य लोगों का भी इसमें शामिल होने का स्वागत करते हैं।

उन्होंने कहा, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक अलायंस (यूडीए) का गठन नागा राजनीतिक मुद्दे के लिए किया गया था। इसलिए नेताओं ने महसूस किया कि एक राजनीतिक दल के अधीन रहने से नागा मुद्दे को और मजबूत करने और आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, 21 विधायकों का एक छतरी के नीचे आना और एक ही पार्टी के तहत होने से मजबूती मिलेगा। यहां विपक्ष विहीन सरकार हो चुकी है।

जिन 21 विधायकों का एनडीपीपी में विलय हुआ उनमें यूडीए अध्यक्ष और एनपीएफ विधायक दल के नेता टीआर जेलियांग, मोआतोशी लोंगकुमेर, अझेतो झिमोमी, केनिझाखो नखरो, वाई विखेहो स्वू, डॉ. छोतिसुह साजो, यिताचु, अमेनबा यादेन, इम्तिवापांग एइर, इमकोंग एल इमचेन शामिल हैं। एनएलए स्पीकर के उसी दिन जारी किए गए आदेश के अनुसार, पिक्टो शोहे, डॉ चुम्बेन मरी, वाईएम योलो, सीएल जॉन, एन थोंगवांग कोन्याक, ईशाक कोन्याक, ईई पेंटेंग, बीएस नगनलंग फोम, मुथिंग्युबा संगतम, टोयांग चांग और केजोंग चांग का नाम भी उनमें शामिल है। एनपीएफ के पास अब केवल चार विधायक रह गए हैं।

21 विधायकों ने व्यक्तिगत पत्रों और आम प्रस्ताव के माध्यम से अपने विलय की घोषणा की थी। शुक्रवार को खुद को स्पीकर के सामने पेश किया था।

भरथना स्टेशन के पास बड़ा हादसा, कोयले से लदी मालगाड़ी पलटी, 13 डिब्बे क्षतिग्रस्त

इटावा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के भरथना स्टेशन के पास शनिवार को एक मालगाड़ी कोयले से लदी पलट गई। जिसमें 13 डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गये हैं। पुलिस अधीक्षक इटावा के पीआरओ अनुभव चौधरी ने बताया कि भरथना रेलवे स्टेशन और इकदिल रेलवे स्टेशन के बीच मेढी दूधी गांव के पास मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई है।

जिसमें 13 डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए हैं। इसमें किसी व्यक्ति के हताहत होने की खबर नहीं है। मालगाड़ी कोयला लादकर कानपुर से दिल्ली की तरफ जा रही थी। स्थानीय अधिकारी घटना स्थल पर तत्काल पहुंच गए और मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी सूचना मिलते ही पहुंच गए। दुर्घटन कैसे हुई इसकी जांच की जा रही है। हादसे की जानकारी के बाद रेलवे के उच्चाधिरियों समेत तकनीकी टीम पहुंच गई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार को न्यू इकदिल स्टेशन से पहले मेढी दूधी गांव के पास से कोयला लदी मालगाड़ी तेजी से जा रही थी। मालगाड़ी का एक वैगन का पहिया कई किलोमीटर पहले से आवाज कर रहा था। यहां से गुजरने के दौरान वैगन पटरी से उतर गया और मालगाड़ी दो हिस्सों में बट गई। इंजन के साथ कुछ डिब्बे आगे की तरफ चले गए, जबकि पीछे के डिब्बे पटरी से उतरकर पलट गए। हादसे की सूचना मिलते ही भरथना थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और रेलवे के अफसरों को जानकारी दी। कुछ ही देर बाद रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तकनीकी टीम पहुंच गई। कानपुर और टूंडला से सहायता ट्रेन भी मंगाई गई है।

ज्ञात हो कि इटावा के इस रूट पर यह पहला हादसा नहीं है। बीते साल अगस्त माह भी मालगाड़ी डिरेल हो गई थी। इटावा से 25 किमी दूर जसवंतनगर व बलरई के बीच खुर्जा से कानपुर जा रही मालगाड़ी के 17 ओपन वैगन पटरी से उतर गए थे और कुछ पलट गए थे। इस हादसे में करीब आधा किमी तक रेलवे ट्रैक पूरी तरह उखड़ गया था और कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए थे।

धनबाद में टायर शोरूम के मालिक की गोली मार कर हत्या

रांची (आरएनएस)। धनबाद के झरिया में अपराधियों ने टायर शोरूम के मालिक रंजीत साव की गोली मारकर हत्या कर दी। बाइक पर सवार होकर पहुंचे अपराधियों ने शो रूम मालिक रंजीत साव को तीन गोलियां मारी और भाग निकले। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से झरिया शहर में दहशत फैल गई। रंजीत साव झरिया के कुल्ही इलाके में एमआरएफ टायर की एजेंसी चलाते थे। वह झरिया थाना क्षेत्र के भागा के रहने वाले थे। वह हमेशा की तरह अपनी दुकान में बैठे थे।

तीन नकाबपोश अपराधी वहां पहुंचे और अचानक फायरिंग करने लगे। गोली लगने के बाद वह देर तक वहीं पड़े रहे। अपराधियों के भागने के बाद उन्हें धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। अपराधियों ने दुकानदार के यहां साफ-सफाई कर रही दाई के साथ भी धक्कामुक्की की। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटनास्थल पर तीन खोखे मिले हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। खबर फैलते ही दुकान के सामने स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। झरिया के पुलिस इंस्पेक्टर पंकज कुमार झा ने कहा है कि इस मामले में पुलिस हर एंगल पर जांच करेगी। बताते चलें कि बीते 28 मार्च को धनबाद के मटकुरिया में भी टायर शोरूम पर गोलियां दागी गई थीं। इस गोलीबारी में शोरूम संचालक बाल बाल बचे थे। उस कांड के अपराधी अब तक नहीं पकड़े गए हैं।

खादी ने 2021-22 में 1 लाख करोड़ रुपये का कारोबार किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने एक उच्चतम महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है जो भारत में सभी एफएमसीजी कंपनियों के लिए अभी एक दूरस्थ लक्ष्य बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निरंतर समर्थन को धन्यवाद देते हुए केवीआईसी ने पहली बार 1.15 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त कारोबार किया है, जो देश में किसी भी एफएमसीजी कंपनी द्वारा अभूतपूर्व है। इस उपलब्धि को प्राप्त करने वाली केवीआईसी देश की एकमात्र ऐसी कंपनी है जिसने 1 लाख करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया है।

वित्त वर्ष 2021-22 में, केवीआईसी का कुल कारोबार पिछले वर्ष यानी 2020-21 में 95,741.74 करोड़ रुपये की तुलना में 1,15,415.22 करोड़ रुपये रहा। इस प्रकार केवीआईसी ने वर्ष 2020-21 से 20.54 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और वर्ष 2014-15 की तुलना में 2021-22 में खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्रों में कुल उत्पादन में 172 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि के दौरान सकल बिक्री में 248 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। केवीआईसी ने इस व्यापक कारोबार लक्ष्य को कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण पहले 3 महीनों में यानी 2021 में अप्रैल से जून तक देश में आंशिक लॉकडाउन के बावजूद हासिल किया है।

पिछले एक वर्ष के प्रदर्शन को देखें तो सबसे ज्यादा वृद्धि खादी क्षेत्र पर देखी जा सकती है, जिसने 2020-21 में 3528 करोड़ रुपये से 43.20 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है और 2021-22 में यह 5052 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले 8 वर्षों में, यानी 2014-15 से 2021-22 में खादी क्षेत्र में उत्पादन में 191 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि खादी की बिक्री में 332 प्रतिशत की तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है।

दूसरी ओर, अकेले ग्रामोद्योग क्षेत्र में कारोबार 2021-22 में 1,10,364 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि पिछले वर्ष यह 92,214 करोड़ रुपये था। पिछले 8 वर्षों में, 2021-22 में ग्रामोद्योग क्षेत्र में उत्पादन में 172 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बिक्री में 245 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

केवीआईसी के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने खादी के अभूतपूर्व विकास का श्रेय देश में खादी को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निरंतर समर्थन को दिया। साथ ही, नवीन योजनाओं, रचनात्मक विपणन विचारों और विभिन्न मंत्रालयों के सक्रिय समर्थन ने भी हाल के वर्षों में खादी के विकास में इजाफा किया है। स्वदेशी और विशेष रूप से खादी को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री की बार-बार अपील ने चमत्कार किया है। आज खादी देश की सभी एफएमसीजी कंपनियों से बहुत आगे है। नए वैज्ञानिक तरीकों को नियोजित करके और खादी की उत्पाद श्रृंखला में विविधता लाने से केवीआईसी ने इतनी बड़ी वृद्धि हासिल करने में सफल रही है, जिसकी बराबरी कोई अन्य एफएमसीजी कंपनी नहीं कर सकती।

विशेष रूप से, लोगों ने आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के प्रधानमंत्री के आह्वान की उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी है। पिछले कुछ वर्षों में, केवीआईसी का मुख्य ध्यान कारीगरों और बेरोजगार युवाओं के लिए स्थायी रोजगार सृजित करने पर रहा है। आर्थिक संकट का सामना करते हुए, बड़ी संख्या में युवाओं ने पीएमईजीपी के तहत स्वरोजगार और विनिर्माण गतिविधियों को अपनाया जिससे ग्रामोद्योग क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि हुई। साथ ही, स्वदेशी उत्पादों को खरीदने की प्रधानमंत्री की अपील के बाद खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यह इस तथ्य से भी स्पष्ट है कि नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में अपने प्रमुख स्टोर पर खादी की एकल-दिन की बिक्री भी 30 अक्टूबर 2021 को 1.29 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई।